श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 267 जनवरी, 2026

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में भावी कृषि-व्यावसायियों हेतु श्री अन्न प्रौद्योगिकी ज्ञानवर्धन

कर्नाटक राज्य राष्ट्रीय कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, शिवमोग्गा के 50 छात्रों के एक समूह ने 6 जनवरी 2026 को अपने अखिल भारतीय शैक्षिक भ्रमण के भाग के रूप में भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। यह दौरा किसानों एवं उद्यमियों हेतु वैज्ञानिक नवाचारों के व्यावहारिक समाधानों में परिवर्तन पर व्यावहारिक ज्ञानवर्धन के लिए आयोजित किया गया। श्री अन्न प्रसंस्करण तथा प्रशिक्षण एकक में चर्चा एवं प्रत्यक्ष प्रदर्शनों के माध्यम से, छात्रों ने कटाई उपरांत रख-रखाव, प्रसंस्करण से लेकर मूल्यवर्धित उत्पादों के विकास तक श्री अन्न की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्हें श्री अन्न के पोषण संबंधी महत्व, स्वास्थ्य लाभ, उत्पादन प्रक्रियाओं, व्यावसायिक अवसरों तथा श्री अन्न पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका से भी अवगत कराया गया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं-परियोजना ने श्रीमती मोनालिशा तथा सुश्री मेघना, किउसं नेस्ट के सहयोग से इस दौरे का समन्वय किया।

बालानगर किउसं के द्वारा उद्यान उत्सव 2026 में श्री अन्न प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं), हैदराबाद के द्वारा प्रवर्तित बालानगर फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गानाइज़ेशन ने 3 -11 जनवरी 2026 के दौरान राष्ट्रपति निलयम में आयोजित उद्यान उत्सव 2026 में श्री अन्न प्रौद्योगिकी तथा मूल्यवर्धित उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस स्टॉल पर लगभग 10,000 लोग आए तथा प्रतिदिन ₹ 7,500-12,000 की बिक्री हुई, तथा श्री अन्न के पोषण तथा पर्यावरिक लाभ के बारे में जागरूकता भी बढ़ी। इस प्रदर्शनी ने किउसं के ब्रांड को सुदृढ़ करने तथा नए बाजार संपर्क खोजने में भी सहायता की। डॉ. संगप्पा, डॉ. रफी, भाश्रीअनुसं तथा श्री महेंद्र, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बालानगर किउसं ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

साझेदारी के माध्यम से बाजार-चालित श्री अन्न उद्यम निर्माण पर विशेषज्ञ व्याख्यान

डॉ. संगप्पा तथा डॉ. रफी, किउसं-नेस्ट एकक ने 9 जनवरी 2026 को हैदराबाद में भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के न्यूट्रिहब में आयोजित श्री अन्न उद्यमशीलता फाउंडेशन कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया। डॉ. रफी ने "भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के अनुभव के माध्यम से श्री अन्न किउसं को स्टार्ट-अप से जोड़ना" विषय पर चर्चा की तथा किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) एवं स्टार्ट-अप के बीच प्रभावी संपर्क के माध्यम से श्री अन्न-आधारित उद्यम को सुदृढ़ करने हेतु संस्थागत अनुभव साझा किए। व्याख्यान में श्री अन्न उत्पाद की बाजार पहुंच, मूल्य वर्धन, ब्रांडिंग, प्रौद्योगिकी के अंगीकरण तथा व्यावसायीकरण को बेहतर बनाने के लिए व्यावहारिक सहयोग मॉडल पर प्रकाश डाला गया। श्री अन्न क्षेत्र में बाजार-चालित तथा विस्तार योग्य व्यावसायिक मॉडल के बारे में किउसं सदस्यों, उद्यमियों एवं कृषि -व्यावसायियों का ज्ञानवर्धन हुआ। डॉ. संगप्पा ने आंध्र प्रदेश, कर्नाटक व तेलंगाना के किउसं के प्रत्यक्ष तथा व्यावहारिक अनुभव साझा करके श्री अन्न परितंत्र को सुदृढ़ करने में श्री अन्न किउसं का महत्व बताया।

श्री अन्न-आधारित नवोन्मेष के माध्यम से भावी कृषि-उद्यमी का निर्माण

डॉ. रफी तथा डॉ. संगप्पा ने युवाओं को श्री अन्न आधारित नवाचार एवं उद्यमिता के लिए प्रेरित करने हेतु 19 जनवरी 2026 को जीसीओई टीएसपी तथा एससीएसपी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 10 दिवसीय पौष्टिक अनाज उद्यमशीलता फाउंडेशन कार्यक्रम के भाग के रूप में कृषि छात्रों को संबोधित किया। डॉ. संगप्पा ने श्री अन्न की पोषण संबंधी श्रेष्ठता, आर्थिक क्षमता तथा जलवायु-अनुकूलन प्रकृति पर बल दिया, तथा सतत एवं भावी खाद्य प्रणालियों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. रफी ने श्री अन्न मूल्य शृंखला में प्रमुख बाधाओं के बारे में विस्तार से बताया। सत्र के दौरान श्री अन्न आधारित कृषि व्यवसाय के लिए आशाजनक मार्ग, जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद विकास, स्टार्ट-अप, किउसं के नेतृत्व वाले उद्यम, ब्रांडिंग एवं अभिनव बाजार संबंध पर प्रकाश डाला गया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं पहलों से वास्तविक जीवन के अध्ययन एवं सफल गाथाओं ने सिद्धांत को व्यवहार से जोड़ने तथा श्री अन्न पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार सृजन की व्यापक संभावनाओं को समझने में सहायता की।

भाकृअनुप-अटारी, गुवाहाटी में श्री अन्न प्रौद्योगिकी परामर्श कार्यशाला से उपूप (एनईएच) लोकसंपर्क सुदृढ़

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने भाकृअनुप-अटारी, क्षेत्र-VI, गुवाहाटी के साथ 19 जनवरी, 2026 को गुवाहाटी में उत्तर पूर्वी पहाड़ी (उपूप) राज्यों में श्री अन्न प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने हेतु एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला आयोजित की। असम, अरुणाचल प्रदेश तथा सिक्किम के वैज्ञानिक एवं कृषि विज्ञान केंद्र के प्रतिनिधि ने इस क्षेत्र में श्री अन्न उत्पादन,

मूल्यवर्धन तथा बाजार संपर्क को सुदृढ़ करने हेतु कार्यनीति पर चर्चा की। कार्यशाला में उपूप राज्यों में श्री अन्न को बढ़ावा देने के लिए भाकृअनुप संस्थान, अटारी, कृविकें तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने पर बल दिया गया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के साथ डॉ. बागीश कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-अटारी, गुवाहाटी ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में श्री अन्न प्रसंस्करण मॉडल और संस्थागत सहयोग

डॉ. पी के सिह, कृषि आयुक्त, भारत सरकार ने भूतपूर्व कुलपति डॉ. एस के राव, आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर के साथ 28 जनवरी 2025 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में श्री अन्न प्रसंस्करण तथा प्रशिक्षण एकक का दौरा किया तथा प्राथमिक एवं द्वितीयक श्री अन्न प्रसंस्करण सुविधाओं की समीक्षा की। डॉ. संगप्पा ने एकक के कामकाज तथा श्री अन्न किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) को सुदृढ़ करने और छोटे तथा सीमांत किसानों के लिए आजीविका के अवसर प्रदान करने में इसकी भूमिका के बारे में बताया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक तथा डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने इस दौरे का समन्वय किया।

श्री अन्न प्रसंस्करण एवं बाजार संपर्कों के माध्यम से अनुसूचित जनजाति किसानों की आय में वृद्धि

कर्नाटक के यादगीर जिले के थानागुंडा गांव में अनुसूचित जनजाति के किसानों के लिए श्री अन्न के माध्यम से आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 29 जनवरी 2026 को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, विपणन संपर्क तथा आगत समर्थन पर बल दिया गया, जिसका उद्देश्य कटाई उपरांत प्रबंधन में सुधार, तकनीकी कौशल को बढ़ाना एवं बाजारोन्मुख श्री अन्न उद्यमों को बढ़ावा देना था। भाकृअनुप -भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर तथा कृषि महाविद्यालय, भीमरायनगुडी द्वारा प्रवर्तित शोरापुर तालुका मिलेट्स फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, कुशल कटाई उपरांत देखभाल तथा नियमित कृषि कार्यों का समर्थन करने के लिए 55 अनुसूचित जनजाति के किसानों को तिरपाल वितरित किए गए। इन सत्रों की सहायता से किसानों ने उत्पादों में विविधता लाने तथा बेहतर बाजार पहुंच के तरीकों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम में शामिल अनुसूचित जनजाति कृषकों में तकनीकी जागरूकता तथा उद्यमोन्मुख सोच काफी बढ़ी। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने इस कार्यक्रम को सुकर बनाया।

राष्ट्रीय तिलहन किसान मेले में श्री अन्न प्रौद्योगिकी प्रसार

भाकृअनुप–भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने अपनी विस्तार व लोकसंपर्क गतिविधियों के अंतर्गत, 30 जनवरी 2026 को भाकृअनुप –भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान द्वारा नरखोड़ा, हैदराबाद स्थित प्रक्षेत्र में आयोजित राष्ट्रीय तिलहन किसान मेले में भाग लिया। भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं ने एक प्रदर्शनी स्टॉल लगाया जिसमें विविध तरह के श्री अन्न अनाज, प्रसंस्कृत श्री अन्न उत्पाद तथा अनुसंधान कार्यक्रम के माध्यम से विकसित मूल्यवर्धित उत्पाद प्रदर्शित किए। इस स्टॉल ने आंगतुकों का ध्यान आकृष्ट किया तथा श्री अन्न क्षेत्र में भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं की अनुसंधान व विकास पहलों के बारे में सूचना प्रसार का एक प्रभावी माध्यम बना। आगंतुकों को श्री अन्न की बेहतर किस्मों, उन्नत प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकी, उत्पाद विविधिकरण विकल्प तथा उद्यम विकास के अवसरों के बारे में बताया गया। पारस्परिक चर्चाओं से किसानों को श्री अन्न की खेती, कटाई उपरांत प्रबंधन तथा प्रसंस्करण के तरीकों के बारे में व्यावहारिक जानकारी मिली, जबकि उद्यमिता तथा विस्तार कार्मिकों ने छोटे स्तर के प्रसंस्करण एकक एवं किसान उत्पादक संगठन (किउसं) आधारित श्री अन्न उद्यम स्थापित करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन की मांग की। समग्रतः, राष्ट्रीय तिलहन किसान मेले में भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं की भागीदारी ने, पोषण तथा जलवायु-स्मार्ट खेती को आगे बढ़ाने हेतु संस्थान के लक्ष्यों के अनुरूप जागरूकता पैदा करने, हितधारकों के साथ जुड़ाव को सुदृढ़ करने एवं श्री अन्न प्रौद्योगिकी के अंगीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्र -निर्माताओं का विकास

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप भावी दूरदृष्टि, मूल्यों पर आधारित तथा नागरिक -केंद्रित सिविल सेवा के निर्माण हेतु, 29 जनवरी 2026 को प्रशासनिक तथा तकनीकी स्टाफ एवं 30 जनवरी 2026 को वैज्ञानिक स्टाफ के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, तथा उन्होंने लोक सेवा में नैतिक आचरण, जिम्मेदारी तथा व्यावसायिकता के महत्व पर बल दिया। आईगॉट मंच का उपयोग करके पारस्परिक, ऐप-आधारित शिक्षण पद्धति में सत्र आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागियों के बीच सक्रिय भागीदारी, सामूहिक चर्चा एवं आत्म -चिंतन को बढ़ावा मिला। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं श्री शिव प्रसाद पेरुमल्ला, प्रशासनिक अधिकारी ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं प्रदान करते हुए इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया।

"व्यावसायिक मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन" पर छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर, हैदराबाद में 16-23 जनवरी 2026 तक "व्यावसायिक मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन" पर सफलतापूर्वक छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि छात्र तथा कृषि-उद्यमिता में रुचि रखने वालों को व्यावसायिक मधुमक्खी पालन में वैज्ञानिक ज्ञान तथा व्यावहारिक कौशल प्रदान करना था। इसमें धारवाड़ कृषि महाविद्यालय, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि

विश्वविद्यालय, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यावय, आएनजीरंकृविवि, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, तथा कृषि जैवप्रौद्योगिकी महाविद्यालय, लोनी (महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ से संबद्ध) शामिल, संपूर्ण भारत के अलग-अलग कृषि संस्थानों से कुल 28 छात्र (17 लड़कियां व 11 लड़कों) ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक दोनों पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें मधुमक्खी जीवविज्ञान, प्रजाति की पहचान, कॉलोनी प्रबंधन, परागण का महत्व, पीड़क तथा रोग प्रबंधन, तथा मधुमक्खी छते के उत्पाद शामिल थे। मधुमक्खी को संभालने, कॉलोनी निरीक्षण, रानी प्रबंधन, मधुमक्खी पालन केंद्र की स्थापना, शहद निकालने, प्रसंस्करण, गुणता मानक, आर्थिकी, बाजार कार्यनीति एवं संबंधित सरकारी योजनाओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

परियोजना कार्यान्वयन प्रगति पर आईसीआईसीआई-आईआईएमआर समीक्षा बैठक

भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में आईसीआईसीआई फाउंडेशन तथा भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के बीच 21 जनवरी 2026 को एक समीक्षा बैठक हुई। जिसमें समर्थन हेतु प्रस्तुत परियोजना के कार्यान्वयन में हुई प्रगति का मूल्यांकन किया गया। श्री मनीष, प्रमुख, ईएसजी, आईसीआईसीआई बैंक; श्री संजय दत्ता, अध्यक्ष, आईसीआईसीआई फाउंडेशन; श्री सुहास नायक, कार्यक्रम प्रमुख; श्री विनीत रुंगटा, कार्यक्रम प्रमुख; तथा श्री वेंकटेश बी के, एचओओ, आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने परियोजना कार्यों पर टिप्पणियां तथा सकारात्मक सुझाव दिए। समन्वय को सुदृढ़ करने, समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने तथा परिकल्पित परियोजना परिणामों को पूर्ण करने के लिए क्षेत्र स्तरीय कार्यों को तेज़ करने की प्रतिबद्धता के साथ बैठक संपन्न हुई। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक ने उन्हें प्रसंस्करण एकक का दौरा करवाया।

बीज निगरानी दौरा

डॉ. अमित बेरा, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-केंपमरेअनुसं, बैरकपुर के नेतृत्व में बीज (फसल) पर अभासअनुप, दक्षिण क्षेत्र के निगरानी दल ने 21 जनवरी, 2026 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। दल में डॉ. संजय कुमार सिंह, प्रोफेसर, जेएनकेवीवी, जबलपुर तथा डॉ. शांता राजा सी एस, भाकृअनुप -आईआईएसएस-आरएस अन्य सदस्य शामिल थे। उक्त निगरानी दल ने 2025-26 के दौरान भाश्रीअनुसं केंद्र की प्रगति की निगरानी की। डॉ. बी वेंकटेश भट तथा डॉ. सूगण्ण, नोडल अधिकारी (बीज) ने भाश्रीअनुसं केंद्र की बीज उत्पादन गतिविधियों तथा प्रगति के बारे में बताया। श्री रघुनाथ कुलकर्णी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, बीज एकक ने बीज केंद्र के दौरे का समन्वय किया।

कुटकी जीनोम की पहचान : जलवायु-अनुकूल फसल जीनोमिक में एक प्रमुख उपलब्धि

कुटकी *(पनिकम सुमाट्रेंस)*, एक अत्यंत जलवायु-अनुकूल, परंतु कम प्रयुक्त लघु श्री अन्न है, जिसमें विशेषकर सीमांत तथा न्यून संसाधन परिस्थितियों में पोषण सुरक्षा तथा सतत खेती की काफ़ी संभावनाएं है। इसके आनुवंशिक सुधार को आगे बढ़ाने के लिए, हैदराबाद में भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र ने विश्वविद्यालय ऑफ़ सस्केचेवान एवं नेशनल रिसर्च काउंसिल ऑफ़ कनाडा के साथ-साथ बेंगलुरु में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कुटकी का पहला गुणसूत्र-स्केल रेफरेंस जीनोम बनाया है। यह अनुसंधान, अनुसंधान पत्रिका *नेचर कम्युनिकेशंस* (https://doi.org/10.1038/s41467-025-66716-6) में प्रकाशित हुआ है।

लॉन्ग-रीड तथा शॉर्ट-रीड प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके संकर अनुक्रमण प्रस्ताव के उपयोग से जीनप्ररूप जेके-8 के लिए 18 गुणसूत्र एवं 59,045 एनोटेटेड प्रोटीन-कोडिंग जीन शामिल एक उच्च गुणता जीनोम समूह तैयार किया गया। सात गुणसूत्रों को टेलोमेयर से टेलोमेयर तक जोड़ा गया, जिससे असाधारण निरंतरता और संरचनात्मक स्पष्टता का पता चला। प्रजाति की आनुवंशिक विविधता को जानने के लिए, भारतभर के अलग-अलग कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों से 300 कुटकी जीनप्ररूप के एक पैनल का पुनः अनुक्रमण किया गया, जिससे लगभग 250,000 एसएनपी चिह्नकों की पहचान हुई। अनाज पैदावार सूक्ष्म पोषक तत्व विशेषताओं के लिए बड़े पैमाने पर लक्षण -प्ररूपण के साथ, इन जीनोमीय आंकड़ों ने जीनोमवार साहचर्य अध्ययन को संभव बनाया, जिससे आयरन, जिंक, फॉस्फोरस की मात्रा तथा मुख्य सस्य वैज्ञानिक विशेषताओं से जुड़े आनुवंशिक स्थलों का पता चला। ये परिणाम कुटकी उन्नयन कार्यक्रम में आणविक प्रजनन, चिह्नक सहाय चयन, जीनोमीय चयन तथा जीन-संपादन को एकीकृत करने के लिए एक मज़बूत आधार बनाते हैं।

यह ऐतिहासिक जीनोमीय शोध कुटकी को एक बेसहारा फसल से जीनोमीय रूप से सुदृढ़ प्रजाति में उन्नत करता है तथा इसे पैदावार की स्थिरता, पोषण गुणता एवं जलवायु अनुकूलन को बेहतर बनाने हेतु तैयार करता है। यह उपलब्धि श्री अन्न विज्ञान में भारत के नेतृत्व को बल प्रदान करती है तथा सीधे वैश्विक श्री अन्न उत्कृष्ट शोध केंद्र को समर्थन प्रदान करती है ताकि श्री अन्न अनुसंधान, नवोन्मेष तथा वैश्विक खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के प्रयासों को तेज़ किया जा सके।

माननीय प्रधानमंत्री ने मार्च 2023 में देश को वैश्विक श्री अन्न उत्कृष्ट शोध केंद्र समर्पित किया। यह श्री अन्न विज्ञान को आगे बढ़ाने एवं भारत को जलवायु-स्मार्ट खेती के लिए वैश्विक हब बनाने के लिए भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कुटकी जीनोम को सफलतापूर्वक डिकोड करना इस दूरदृष्टि को दिखाता है, जो अत्यधिक प्रभावी अनुसंधान में केंद्र के बढ़ते नेतृत्व एवं श्री अन्न में वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी नवोन्मेष के अगले चरण को आगे बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका दर्शाता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

शीर्षक	तिथि	अवधि (दिनों में)	सहभागियों की संख्या	सहभागियों का वर्ग (भाकृअनुप कार्मिक, उद्यमी, किसान, छात्र आदि)
'श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन में नवीनतम प्रगति'	1-3 जनवरी 2026	3	35	किसान
श्री अन्न पर उद्यमिता फाउंडेशन कार्यक्रम	6-9 जनवरी 2026	4	48	उद्यमी
श्री अन्न व्यंजन प्रदर्शन	19.01.2026	1	20	छात्र
श्री अन्न संग पकवान	20.01.2026	1	20	उद्यमी
'श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन में नवीनतम प्रगति'	20-21 जनवरी 2026	2	25	किसान

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन / प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	आंगनवाड़ी लाभार्थियों के लिए एक व्यापक खाद्य मॉडल व आहार योजना की पुनः जांच एवं उसकी संस्तुतियों हेतु बैठक	महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग, हैदराबाद	महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद	ऑनलाइन	02 जनवरी, 2026
डॉ. संगप्पा तथा डॉ. विकास कुमार	उद्यान उत्सव में श्री अन्न आधारित प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं तथा मैनेज, हैदराबाद	राष्ट्रपति निलयम, बोलारम सिकंदराबाद	प्रत्यक्ष	05 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	केन्या के नैरोबी में मर्हर्षि के लघु सचिवालय के कार्य-पद्धति को अंतिम रूप देने के लिए महानिदेशक, इक्रिसेट के साथ बैठक	इक्रिसेट, हैदराबाद	इक्रिसेट, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	06 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	संक्रांति संबरालु 2026 - नीति संस्तुतियों हेतु फसल विशेष पर विचार-विमर्श शिखर सम्मेलन के दौरान श्री अन्न पर चर्चा सत्र में राष्ट्रीय फसल वैज्ञानिक तथा अध्यक्ष के रूप में सहभागिता	विज्ञान फाउंडेशन फॉर साइंस, प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान, वडलामुडी, आंध्र प्रदेश	विज्ञान फाउंडेशन फॉर साइंस, प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान, वडलामुडी, आंध्र प्रदेश	प्रत्यक्ष	08 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	सेवा मंथन 2026 - वहनीय एवं उत्तम स्वास्थ्य सेवा में सीएसआर की भूमिका	सेवा भारती, तेलंगाना	इंफोसिस कैंपस, गच्चीबावली, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	08 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	अतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2026 की प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन एवं बी2बी समिति की पहली बैठक	केएपीपीईसी, बेंगलुरु	कर्नाटक राज्य कृषि उत्पाद प्रसंस्करण और निर्यात निगम लिमिटेड, बेंगलुरु	ऑनलाइन	12 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	जीएसए बोर्ड बैठक में सदस्य के रूप में	जीएसए ग्लोबल सोरघम एंड मिलेट्स इनिशिएटिव सीरीज 2025, शिकागो, यूएसए	जीएसए ग्लोबल सोरघम एंड मिलेट्स इनिशिएटिव सीरीज 2025, शिकागो, यूएसए	ऑनलाइन	14 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	सारथी : क्रांति 2026 के दौरान विषय विशेषज्ञ के रूप में	कृषि उन्नति, अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा मानव नवाचार संस्था, हरियाणा	कृषि उन्नति, अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा मानव नवाचार संस्था, हरियाणा	ऑनलाइन	14 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	"प्लांट जेनेटिक रिसोर्स मैनेजमेंट एंड यूटिलाइजेशन-कंटेम्पररी अप्रोच" पर आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "फंक्शनल फूड और न्यूट्रास्युटिकल्स के रूप में श्री अन्न" पर व्याख्यान	भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली	भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली	ऑनलाइन	16 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप प्रायोजित शीतकालीन स्कूल "शुष्क भूमि फसलों में जलवायु लचीलापन तथा त्वरित आनुवंशिक लाभ हेतु एकीकृत प्रजनन दृष्टिकोण" के दौरान "श्री अन्न में आनुवंशिक सुधार : स्थिति एवं भावी संभावनाएं" पर व्याख्यान	रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी	रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी	ऑनलाइन	17 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	एआईसीआरपीडीए की XXIX द्विवार्षिक कार्यशाला तथा एआईसीआरपीडीए-एनआईसीआरए की XII वार्षिक समीक्षा कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में सहभागिता	भाकृअनुप-अटारी, जोन-IV, पटना	एएयू बागवानी अनुसंधान केंद्र, कहिकुची, एएयू, गुवाहाटी	प्रत्यक्ष	19 जनवरी, 2026
डॉ. संगप्पा	उत्तर पूर्वी पहाड़ी राज्यों में श्री अन्न प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने पर परामर्श कार्यशाला	भाकृअनुप- अटारी, गुवाहाटी, असम तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	भाकृअनुप- अटारी, गुवाहाटी, असम	प्रत्यक्ष	19-20 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	आंध्र प्रदेश राज्य के लिए कृषि योजना में सहायता के लिए समिति में भाकृअनुप द्वारा डीए एंड एफडब्ल्यू डीएएफडब्ल्यू ओएम एफ.नं. ए-58011/135/2025 -ईआई दिनांक 30.12.2025 के अंतर्गत नामित सदस्य के रूप में पहली बैठक में सहभागिता	आंध्र प्रदेश सरकार, अमरावती	अमरावती, आंध्र प्रदेश	प्रत्यक्ष	20 जनवरी, 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	"दक्षिण एशियाई कृषि में जलवायु अनुकूलन का एटलस (एसीएएसए)" की शुभारंभ कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में सहभागिता	भाकृअनुप-क्रिडा, हैदराबाद	एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	23 जनवरी, 2026
डॉ. अनुराधा नरेला	मार्केटिंग सीजन 2026-27 हेतु खरीफ मूल्य नीति के बारे में चावल, मक्का व श्री अन्न से जुड़े संगठन तथा संघ के साथ परामर्श बैठक	कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	डीएफपीडी हॉल, कृषि भवन, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	27 जनवरी, 2026
डॉ. संगप्पा	राष्ट्रीय कर्मयोगी	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	29-30 जनवरी, 2026

समझौते ज्ञापन

समझौता तिथि	अन्य पक्ष/ लाइसेंसधारी	समझौते ज्ञापन / करार ज्ञापन का प्रयोजन	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण		साक्ष्य
			भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं	अन्य पक्ष	
09.01.2026	सर्वश्री पूर्वा फूड्स उत्पाद, कर्नाटक	इडली मिश्रण हेतु लाइसेंस	डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक	श्री लिंगगौड़ा बी पाटील, सीओओ	डॉ. जे स्टेनली तथा डॉ. अमसिद्ध बी
06.01.2026	बोर्न प्रौद्योगिकी	सीएसआर गतिविधियों के भाग के रूप में किउसं फार्मगेट पर श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण एकक को सुसज्जित करना	डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक	श्रीमती सुबलक्ष्मी शंकरनारायणन, अध्यक्ष	डॉ. अमसिद्ध बी तथा डॉ. संगप्पा बी सी
06.01.2026	बोर्न प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड, कोयंबतूर, तमिलनाडु	श्री अन्न प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण हेतु सहयोगी अनुसंधान	डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक	श्रीमती सुबलक्ष्मी शंकरनारायणन, अध्यक्ष	डॉ. अमसिद्ध बी तथा डॉ. संगप्पा बी सी
03.01.2026	हरे कृष्ण मूवमेंट चैरिटेबल फाउंडेशन, हैदराबाद	श्री अन्न का सहयोगात्मक अनुसंधान और संयुक्त संवर्धन	डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक	श्री कौन्तेय दास, सीईओ	डॉ. अमसिद्ध बी तथा श्री के श्रीनिवास बाबू

बोर्न प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड, कोयंबतूर, तमिलनाडु

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा डी रेवती, डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in